Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक **09.01.2018**

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 10 जनवरी 2018 से 14 जनवरी 2018 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		10.01.2018	11.01.2018	12.01.2018	13.01.2018	14.01.2018
1.	वर्षा	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	आंशिक बादल	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**25**	**26**	**26**	**27**	**27**
	न्यूनतम	**7**	**7**	**8**	**8**	**9**
4.	वायुदिशा	पूर्वी	पश्चिमी	दक्षिणी	पश्चिमी	पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**86**	**85**	**84**	**83**	**82**
	न्यूनतम	**19**	**18**	**16**	**15**	**15**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**2**	**3**	**3**	**4**	**3**
7	कुलवर्षा	**00.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन के तापमान मे हल्की बढ़ोतरी, अधिक आपेक्षिक आर्द्रता के साथ कम गति की हवाएँ चलने, आसमान के साफ रहने और वर्षा नहीं होने की संभावना है।**
- **मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार आने वाले 72 घंटो मे शीत लहर चलने की संभावना है। अतः निम्न सावधानी रखे।**
  - शीतलहर से सरसों, चना, जीरा, सब्जियों आदि फसल मे हानि पहुंचा सकती है। खेत में हल्की सिंचाई करे और कचरा, फसल अवशेष आदि जलाकर धुआ करे।
  - संभव हो तो गंधक के अम्ल का 0.1% की दर से पानी के साथ छिड़काव करे।
  - बारिश के मौसम मे नये लगाए गए पौधो को शीतलहर से बचाने के लिए उनको घास-फूस या टाटीयों से ढक कर रखे और हल्की सिंचाई करते रहे ।
- समय पर बोये गई गेहूँ की फसल में बुवाई के क्रमश 40 और 60 दिन बाद दूसरी एवं तीसरी सिंचाई देवें और जौ की फसल में बुवाई के 65 -70 दिन बाद दूसरी सिंचाई देवें।
- यदि किसान भाई गेहु और जौ में पहली और दूसरी सिंचाई के साथ यूरिया का छिड़काव नहीं कर पाये वे अब दूसरी एवं तीसरी सिंचाई पर 66 किग्रा की दर से गेंहू और 100 किग्रा की दर से जौ मे उपयोग कर सकते है ।
- रबी फसलों (गेहूँ और जौ) को दीमक से बचाने के लिए समस्या वाले क्षेत्रों में सिंचाई पानी के साथ क्लोरोपायरिफोस 20 ई.सी. नामक दवा 2400 मी.ली. प्रति है. की दर से उपयोग करें।
- जई, रिजका, बरसीम आदि चारे वाली फसलों में 15 - 20 के अंतराल पर सिंचाई कराते रहे तथा जई में प्रत्येक कटाई पश्चात 65 - 85 किग्रा/है की दर से यूरिया खाद का उपयोग करें।
- पशुओ को खुरपका-मुहपका रोग से बचाव का टीका लगवाएँ एवं पेट मे कीड़ो की दवाई नियमित देवें ।दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के उपाय करे।
- पशुओ को संतुलित आहार के साथ साथ खनिज मिश्रण भी प्रतिदिन खिलाये। आफरे से बचाने के लिए बरसीम रिजका आदि अधिक मात्रा में न खिलाएँ। आफरे से बचाव के लिए इनके साथ सूखा चारा मिलाकर खिलाएँ।